UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 22 महाराणा प्रताप (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

त्याग, बलिदान, निरन्तर संघर्ष और स्वाधीनता के रक्षक के रूप में देशवासी महाराणा प्रताप को याद करते हैं। इनका जन्म उदयपुर नगर में हुआ। ये राणा सांगा के पुत्र महाराणा उदयसिंह के सुपुत्र थे। गौरव, सम्मान, स्वाभिमान व स्वतंत्रता के संस्कार इन्हें विरासत में मिले थे। सन 1572 ई० में प्रताप के शासक बनने के समय संकट की स्थिति थी। प्रताप को अकबर की सम्पन्न मुगल सेना व मानसिंह की राजपूत सेना से लोहा लेना पड़ा। अकबर की कूटनीति के कारण प्रताप का भाई शक्तिसिंह भी मुगल सेना के साथ था; फिर भी, अपनी छोटी-सी सेना से प्रताप ने हल्दी घाटी में मोर्चा जमाया और मुगल सेना को नाकों चने चबाने पड़े। मुगल सेना की भारी क्षति हुई, परन्तु विशाल सैन्य शक्ति के दबाव को देखकर राणा प्रताप को युद्ध से हटना पड़ा। इस घटना में सरदार झाला, राणा के घोड़े चेतक और अनुज शक्ति को प्रसिद्धि मिली। झाला ने ताज पहनकर अपने आत्मबलिदान से प्रताप को बचाया, चेतक ने प्रताप को युद्ध-भूमि से निकालकर प्राण त्यागे और अनुज शक्तिसिंह ने भी पश्चात्ताप करके क्षमा माँगी।

महाराणा प्रताप ने छापामार युद्धनीति अपनाकर बीस वर्ष तक मुगलों से संघर्ष किया। इन्हें परिवार सहित जंगलों में भटककर घास की रोटी तक खानी पड़ी। इन्होंने प्रतिज्ञा की कि जब तक : चितौड़ पर अधिकार नहीं हो जाएगा; तब तक मैं जमीन पर सोऊंगा और पत्तलों पर भोजन करूंगा। इसका जनता पर व्यापक प्रभाव पड़ा। इनके मंत्री भामाशाह ने सारी सम्पत्ति राणा को सौंप दी। मेवाड़ की प्रभुसत्ता की
रक्षा और स्वाधीनता के लिए राणा प्रताप जिए और मरे। इनके अदम्य साहस और शौर्य की सराहना करते हुए कर्नल टाड ने लिखा है, “अरावली की पर्वतमाला में एक भी घाटी ऐसी नहीं, जो प्रताप के पुण्य से पवित्र न हुई हो, चाहे वहाँ उनकी विजय हुई या यशस्वी पराजय!”

अभ्यास

प्रश्न 1.
महाराणा प्रताप का जन्म कहाँ हुआ था तथा इनके पिता का क्या नाम था?
उत्तर :
महाराणा प्रताप का जन्म उदयपुर में हुआ था। इनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह था।

प्रश्न 2.
छापामार युद्ध नीति किसने और क्यों अपनाई?
उत्तर :
छापामार युद्ध नीति महाराणा प्रताप ने अपनाई। परिस्थितियों के अनुसार मुगल सेना को पछाड़ने के लिए यह नीति अपनाई गई, जिसके कारण मेवाड़ का बड़ा भाग मुगलों से छीना गया।

प्रश्न 3.
राणा प्रताप ने कौन-सी प्रतिज्ञा की थी?
उत्तर :

https://www.evidyarthi.in/

राणा प्रताप ने प्रतिज्ञा की थी कि "मैं मुगलों की अधीनता कदापि स्वीकार नहीं करूंगा। जब तब चित्तौड़ पर अधिकार न कर लूंगा, पत्तलों पर भोजन करूंगा और जमीन पर सोऊँगा!

प्रश्न 4.
राणा प्रताप को किन गुणों के कारण लोग श्रद्धा से याद करते हैं?
उत्तर :
प्रताप को लोग उनके त्याग, बलिदान, निरन्तर संघर्ष अपराजेय पौरुष, अदम्य साहस, स्वाधीनता-प्रेम और स्वदेशानुराग के कारण याद करते हैं।

प्रश्न 5.
मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए महाराणा प्रताप ने कौन-कौन से कष्ट सहे?
उत्तर :
मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए बीस वर्षों से भी अधिक समय तक राजा प्रताप ने मुगलों से संघर्ष किया। इस अवधि में उन्हें अनेक कठिनाइयों तथा विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़। सारे किले उनके हाथ से निकल गए थे। उन्हें परिवार के साथ एक पहाड़ी से दूसरी पहाड़ी पर भटकना पड़ा। कई बार उनके परिवार को जंगली फलों तथा घास की रोटी से भूख शांत करनी पड़ी, फिर भी राजा प्रताप का दृढ़ संकल्प हिमालय के समान अडिग रहा।

प्रश्न 6.
सही **(✓)** अथवा गलत **(✗)** का निशान लगाइए (निशान लगाकर) –

(क) महाराणा प्रताप का संघर्ष आर्यों से हुआ। **(✗)**
(ख) राणा प्रताप के जीवन का आदर्श मेवाड़ की सत्ता को बनाए रखना था। **(✓)**
(ग) राणा प्रताप का नाम हमारे इतिहास में स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अमर है। **(✓)**
(घ) हल्दी घाटी का युद्ध हल्दी के लिए हुआ। **(✗)**

प्रश्न 7.
नीचे लिखे प्रश्न के दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर छाँटकर लिखिए (सही उत्तर लिखकर) –
सरदार झाला ने स्वयं राणा का मुकुट पहन लिया; क्योंकि –
उत्तर :
(ग) वह शत्रु को भ्रमित करना चाहता था।

प्रश्न 8.
उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (पूर्ति करके) –

(क) राणा प्रताप ने आदर्शों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व दाँव पर लगा दिया।
(ख) सरदार झाला ने राणा को बचाने के लिए स्वयं का बलिदान कर दिया।
(ग) राणा प्रताप का संकल्प हिमालय के समान अडिग था।
(घ) जन्मभूमि की रक्षा के लिए राणा प्रताप मृत्युपर्यंत संघर्ष करते रहे।

https://www.evidyarthi.in/